आदर्श प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा – 12   विषय :– हिन्दी साहित्य   पूर्णांक – 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान					अवबोध					ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति					कौशल / मौलिकता					योग
		वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	अति.लघु	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबन्धात्मक	
1	अपठित गद्यांश व अपठित पद्यांश	2(2)	–	–	–	–	10(10)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	12(12)
2	रचना – निबंध	–	–	–	–	–	–	–	–	–	2(1)	–	–	–	–	2(–)	–	–	–	–	2(–)	06(1)
3	अभिव्यक्ति एवं माध्यम	–	3(3)	1(1)	–	–	–	2(2)	1(1)	–	–	–	1(1)	2(–)	–	–	–	–	–	–	–	10(8)
4	काव्यांग परिचय	2(2)	1(1)	–	–	–	4(4)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1(1)	–	–	–	8(8)
5	पाठ्यपुस्तक – अंतरा भाग–2 गद्य	–	1(1)	1(1)	–	1(–)	–	1(1)	1(2)	1(1)	2(1)	–	–	4(–)	1(–)	1(–)	–	–	–	1(–)	1(–)	16(7)
6	पाठ्यपुस्तक – अंतरा भाग–2 पद्य	–	1(1)	1(1)	–	1(–)	–	1(1)	1(2)	1(1)	2(1)	–	–	4(–)	1(–)	1(–)	–	–	–	1(–)	1(–)	16(7)
7	पाठ्यपुस्तक – अंतराल–2	–	–	1(1)	–		–	–	2(2)	2(1)	–	–	–	5(1)	1(–)	–	–	–	–	1(–)	–	12(5)
	योग :–	**4(4)**	**6(6)**	**4(4)**	**–**	**2(–)**	**14(14)**	**4(4)**	**5(7)**	**4(3)**	**6(3)**	**–**	**1(1)**	**15(1)**	**3(–)**	**4(–)**	**–**	**1(1)**	**–**	**3(–)**	**4(–)**	**80(48)**
	कुल योग :–	**16(14)**					**33(31)**					**23(2)**					**8(1)**					**80(48)**

विकल्पों की योजना (i) (ii) :– प्र.सं. 16 से 21 एवं प्र.स. 8 एवं प्र.स. 11 में एकान्तिक आंतरिक विकल्प है।

निर्देश :– प्रश्न पत्र में मूल प्रश्न 21 हैं, जो प्रकारान्तर से कुल 48 हैं।   **नोट :– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।**

हस्ताक्षर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान,अजमेर

मॉडल प्रश्न पत्र उच्च माध्यमिक परीक्षा 2022

विषय– हिन्दी साहित्य

कक्षा–12

समयः 2 घण्टे 45 मिनट **पूर्णांकः80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :–

GENERAL INSTRUCTION TO THE EXAMINEES:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

Candidate must write first his/her Roll No. on the question paper compulsorily.

2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

All the questions are compulasory.

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

Write the answer to each question in the given answer book only.

4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

For questions having more than one part the answers to those parts are to be written together in continuity.

5. प्रश्न पत्र के हिन्दी पर अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/ अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें।

If there is any error/difference/contradiction in Hindi & English version of the question paper, the question of the Hindi version should be treated valid.

<u>खण्ड – (अ)</u>

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में कोष्ठक में लिखिए :– 6x1=6

'सतसई' शब्द संस्कृत के 'सप्तशती' शब्द का अपभ्रंश रूप है। पहले संस्कृत में सप्तशती, शतक, सहस्त्रनाम आदि संख्यावाचक ग्रन्थों की रचना भक्ति एवं स्त्रोत संबंधी साहित्य के लिए हुआ करती थी। इसलिए दुर्गासप्तशती, 'शिव सहस्त्र–नाम' विष्णु सहस्त्र नाम आदि ग्रन्थ संस्कृत में मिलते हैं। परन्तु जब से भारत में आभीर जाति का प्रवेश हुआ और आभीरों के स्वच्छन्द एवम् ऐहिकता–मूलक

जीवन का प्रभाव भारतीय जन मानस पर पड़ा और भारतीय–जन भी मोक्ष एवम् परलोक की चिन्ता छोड़कर आभीरों की ही भाँति ऐहिक जीवन की ओर आकृष्ट हुए और भक्ति परक साहित्य की रचना न करके साधारण जीवन में व्याप्त प्रेम भावनाओं, शृंगार संबंधी चेष्टाओं एवम् दैनिक हास–परिहासपूर्ण क्रिया–व्यापारों का वर्णन करने लगे। इसका सर्वप्रथम प्रयास हालकृत 'गाथा–सप्तशती' के अन्तर्गत दिखाई देता है। 'गाथा सप्तशती' के उपरान्त इस सतसई–साहित्य की परम्परा में भर्तृहरि कृत शृंगार –शतक' आता है। हिन्दी में शृंगार संबंधी सतसई काव्य का श्रीगणेश 'बिहारी सतसई' से होता है। वैसे 'बिहारी सतसई' में भी नीति, ज्योतिष, गणित, भक्ति आदि विविध विषयों का समावेश मिलता है, किन्तु इसमें शृंगार रस की ही प्रधानता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक है– 1
(अ) सतसई परम्परा (ब) बिहारी सतसई
(स) वृंद–सतसई (द) उपर्युक्त सभी

(ii) 'सतसई' शब्द हैं – 1
(अ) तत्सम शब्द (ब) तद्भव शब्द
(स) अपभ्रंश शब्द (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(iii) निम्न में से किस ग्रन्थ की भाषा संस्कृत नहीं है – 1
(अ) दुर्गासप्तशती (ब) शिव सहस्त्र नाम
(स) वैराग्य शतक (द) बिहारी सतसई

(iv) 'गाथा सप्तशती' के रचयिता है – 1
(अ) मतिराम (ब) कवि हाल
(स) वृन्द (द) बिहारी

(v) हिन्दी में 'शृंगार रस प्रधान' सतसई का श्रीगणेश किया– 1
(अ) बिहारी ने (ब) वृन्द ने
(स) मतिराम ने (द) हाल ने

(vi) 'बिहारी सतसई' में निम्न विषय का समावेश है – 1
(अ) नीति (ब) शृंगार
(स) भक्ति (द) उपर्युक्त सभी

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में कोष्ठक में लिखिए – 6x1=6

वर्षों तक वन में घूम–घूम, बाधा विघ्नों को चूम–चूम
सह धूप–घाम, पानी–पत्थर, पाण्डव आए कुछ और निखर
सौभाग्य न सब दिन सोता है, देखें आगे क्या होता है
मैत्री की राह बताने को, सबको सुमार्ग पर लाने को,
दुर्योधन को समझाने को, भीषण विध्वंस बचाने को,
भगवान हस्तिनापुर आए, पाण्डव का संदेशा लाए

दो न्याय अगर तो आधा दो, पर इसमें भी यदि बाधा हो
तो दे दो केवल पाँच ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम
हम वहीं खुशी से खाएंगे, परिजन पर असि न उठाएंगे !
दुर्योधन वह भी दे न सका, आशीष समाज की ले न सका
उल्टे हरि को बांधने चला, जो था असाध्य, साधने चला
जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।

(i) भगवान कृष्ण पाण्डवों का संदेश लेकर कहाँ गए थे ? 1

(अ) कुरूक्षेत्र (ब) हस्तिनापुर

(स) इन्द्रप्रस्थ (द) मथुरा

(ii) 'असि' शब्द का अर्थ है– 1

(अ) तलवार (ब) भाला

(स) बाण (द) त्रिशूल

(iii) कृष्ण ने युद्ध टालने हेतु कितने गाँव माँगे थे – 1

(अ) पाँच (ब) दस

(स) पन्द्रह (द) बीस

(iv) दुर्योधन के लिए असाध्य कार्य था– 1

(अ) समाज का आशीष लेना (ब) कृष्ण को बांधना

(स) युद्ध को टालना (द) उपर्युक्त सभी

(v) 'उल्टे हरि को बाँधने चला।' यहाँ 'हरि' शब्द का अर्थ है – 1

(अ) भीष्म (ब) विदुर

(स) पाण्डव (द) कृष्ण

(vi) 'जब नाश मनुज पर छाता है पहले विवके मर जाता है' 1

पंक्ति को चरितार्थ करती लोकोक्ति है –

(अ) विनाश काले विपरीत बुद्धि

(ब) आग लगने पर कुआँ खोदना

(स) अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत

(द) आए थे हरि भजन को औटन लगे कपास

2. दिए गए रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :– 6x1=6

(i) ओज गुण में .... वर्ण की प्रधानता होती है। 1

(ii) केशवदास ने 'कवि प्रिया' में .... दोषों का विवेचन किया है। 1

(iii) 'दोहा' छंद में प्रथम व तृतीय चरण में .... मात्राएँ होती हैं,

दूसरे व चौथे चरण में .... मात्राएँ होती है। ½+½=1

(iv) 'सोरठा' दोहे का .... होता है। 1

(v) 'अनुप्रास' अलंकार में किसी वर्ण की .... होती है। 1

(vi) 'उपमा' अलंकार के .... अंग होते हैं। 1

3. निम्नलिखित अति लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द–सीमा 20 शब्द है। 12x1=12

(i) 'अनुप्रास' अलंकार से युक्त कोई एक मौलिक उदाहरण लिखिए। 1

(ii) 'यमक' अलंकार की परिभाषा लिखिए। 1

(iii) मीडिया की भाषा में 'बीट' का क्या तात्पर्य है ? 1

(iv) सामान्य लेखन का कौनसा सर्वमान्य नियम विशेष लेखन पर भी लागू होता है ? 1

(v) विशेष लेखन के विभिन्न क्षेत्रों में से किन्ही चार क्षेत्रों के नाम लिखिए। 1

(vi) रामचन्द्र शुक्ल जी के पिताजी को किसके नाटक अतिप्रिय थे ? 1

(vii) 'धर्म' के कितने लक्षण बताए गए हैं ? 'सुमिरिनी के मनके' अध्याय के आधार पर उत्तर लिखिए। 1

(viii) 'देवसेना का गीत' के कवि का क्या नाम है ? 1

(ix) 'सरोज स्मृति' कविता किस पर केन्द्रित है ? 1

(x) 'कविता' किस परंपरा के रूप में जन्मी है ? 1

(xi) एक नाटक में मुख्यतः कितने अंक होते हैं ? 1

(xii) कहानी का केन्द्रीय बिंदु क्या होता है ? 1

खण्ड – (ब)

निर्देश :– प्रश्न सं. 04 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द है।

4. समाचार लेखन और फीचर लेखन शैली को संक्षेप में लिखिए। 2

5. पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं ? संक्षेप में लिखिए। 2

6. 'पसोवा' नामक स्थान की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए। 2

7. 'मैंने देखा एक बूँद' कविता में कवि 'अज्ञेय' के द्वारा किसके महत्त्व की प्रतिष्ठा की गई है ? 2

8. 'केशवदास' अथवा 'विद्यापति' में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय लिखिए। 2

9. बड़ी हवेली की बड़ी बहुरिया ने हरगोविन को क्यों बुलाया ? संक्षेप में लिखिए। 2

10. श्रीराम के अश्वों की किस से तुलना की गई है और क्यों ? संक्षेप में लिखिए। 2

11 'ममता कालिया' अथवा 'निर्मल वर्मा' में से किसी एक साहित्यकार का साहित्यिक परिचय लिखिए। 2

12 किस घटना के कारण सूरदास की बदनामी होती है ? 'सूरदास की झोंपड़ी' अध्याय के आधार पर संक्षेप में उत्तर लिखिए। 2

13. रूप ने भूपदादा को धक्का क्यों दिया ? 'आरोहण' अध्याय के आधार पर उत्तर संक्षेप में लिखिए। 2

14. 'हाथीपाला' का नाम 'हाथीपाला' क्यों पड़ा ? 'अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' अध्याय के आधार पर संक्षेप में उत्तर लिखिए। 2

15. सूरदास के रूपये किसने और क्यों लिए थे ? 2

<u>खण्ड – (स)</u>

16. 'चार हाथ' लघुकथा पूँजीवादी व्यवस्था में मजदूरों के शोषण को उजागर करती है। कैसे ? इस कथन का अभिप्राय कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 3

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

अथवा

लेखक के द्वारा शंकर भगवान की मूर्ति को गाँव वालों को क्यों लौटा दिया गया ? 'कच्चा चिट्ठा' अध्याय के आधार पर विस्तार से उत्तर लिखिए।

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

17. हिमालय किधर है ? इस प्रश्न का बालक ने क्या उत्तर दिया और क्यों ? क्या आपकी दृष्टि में यह उत्तर सही है ? विस्तार से उत्तर दीजिए। 3

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

अथवा

'एक कम' कविता के आधार पर स्वतन्त्रता पश्चात् भारतवर्ष की स्थिति का चित्रण विस्तार से कीजिए।

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

18. 'हमारे आज के शहर नियोजकों और इंजीनियरों तथा पुरातन नियोजकों में क्या अंतर बताया गया है ? 'अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' अध्याय के आधार पर विस्तृत उत्तर लिखिए। 4

(उत्तर–सीमा 80 शब्द)

अथवा

'तुम खेल में रोते हो', इस कथन को सुनकर सूरदास पर क्या प्रभाव पड़ा ? 'सूरदास की झोंपड़ी' अध्याय के आधार पर विस्तार से उत्तर लिखिए।

(उत्तर–सीमा 80 शब्द)

खण्ड – (द)

19. निम्नलिखित पठित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– 1+4=5

जो है वह खड़ा है
बिना किसी स्तंभ के
जो नहीं है उसे थामे है
राख और रोशनी के ऊँचे–ऊँचे स्तंभ
आग के स्तंभ
और पानी के स्तंभ
धुएँ के
खुशबू के
आदमी के उठे हुए हाथों के स्तंभ
किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्घ्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी दूसरी टाँग से
बिलकुल बेखबर !

अथवा

कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि,
मूदि रहए दु नयान,
कोकिल–कलरव, मधुकर–धुनि सुनि,
कर देइ झाँपइ कान।।
माधव, सुन–सुन बचन हमारा।
तुअ गुन सुंदरि अति भेल दूबरि–
गुनि–गुनि प्रेम तोहारा।।
धरनी धरि धनि कत बेरि बइसइ,
पुनि तहि उठइ न पारा।
कातर दिठि करि, चौदिस हेरि–हेरि
नयन गरए जल–धारा।।

20. निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– 1+4=5

धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करे, जो कहा जाए वही कान ढलकाकर सुन ले, इस सत्ययुगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियाँ पिटवाकर दिया जाता है। घड़ी समय बतलाती है। किसी घड़ी देखना जानने वाले से समय पूछ लो और काम चला लो। यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोलकर देखें, पुर्ज़े गिन लें, उन्हें खोलकर फिर जमा दें, साफ़ करके फिर लगा लें – यह तुमसे नहीं होगा। तुम उसके अधिकारी नहीं। यह तो वेदशास्त्र धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्ज़े जानें, तुम्हें इससे क्या ? क्या इस उपमा से जिज्ञासा बंद हो जाती है ?

अथवा

ये लोग आधुनिक भारत के नए 'शरणार्थी' हैं, जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावत ने अपनी घर–जमीन से उखाड़कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है। प्रकृति और इतिहास के बीच यह गहरा अंतर है। बाढ़ या भूकंप के कारण लोग अपना घरबार छोड़कर कुछ अरसे के लिए जरूर बाहर चले जाते हैं, किंतु आफत टलते ही वे दोबारा अपने जाने–पहचाने परिवेश में लौट भी आते हैं। किंतु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है, तो वे फिर कभी अपने घर वापस नहीं लौट सकते। आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ मनुष्य ही नहीं उखड़ता, बल्कि उसका परिवेश और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं।

21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 400 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए। 6

(अ) बढ़ती तकनीक – सुविधा या समस्या
(ब) प्राकृतिक आपदाएँ कारण और निवारण
(स) यदि मैं शिक्षा–मंत्री होता
(द) दैनिक जीवन में विज्ञान
(य) कोरोनाकाल और शिक्षा